[Shri Subhash Chandra Bose Alluri]

Andaman-Kakinada pulp mill project will fulfil a long felt demand of the region. It is a viable project since the raw material is available in abundance. The pulp mill has profoundly bright prospects. It will boost the economy, generate and provide employment to a large number of persons. The location of the mill is ideally suited. The Andhra Pradesh Industrial Development Corporation was granted the letter of Intent for setting up the pulp mill at Kakinada in East Godavari district based on Andaman Hardwoods No. LI: 328(78) dated 18th November, 1978. This grant is due to expire on 31st December, 1981 vide the Government of India's letter. And unless renewed efforts are made for the actual setting up and commencement of production for the pulp factory, the project is likely to dwindle into uncertainty. I, therefore, urge upon the Government of India to take steps in this regard immediately and help the State Government towards formulating a detailed project report and further necessary steps

(vii) Need for setting up of a relay Radio Station at Almora and a Television Centre in Kumaon Division.

श्री हरीश चन्द्र सिंह रावत (अल्मोड़ा) : केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में उत्तर प्रदेश के अल्मोड़ा शहर में सन् 1976–77 में एक रेडियो रिले केन्द्र की स्वीकृति प्रदान की । लेकिन आज तक भी इस केन्द्र के निर्माण का कार्य प्रारम्भ नहीं हुआ है जबकि स्थानीय प्रशासन, भवन निर्माण के लिए स्थान बहुत पहले उपलब्ध करवा चुका है जिसे प्रशासन मंत्रालय के विशेषज्ञों ने पसन्द भी किया है । इस अकारण विलम्ब के प्रति स्थानीय जनता मे गहरा रोष व्याप्त है । अपना विरोध व्यक्त करने के लिए स्थानीय जनता ने संघर्ष समिति का गठन किया है जिस के तत्वावधान में आम हड़ताल का आह्वान किया गया है ।

अल्मोड़ा की सांस्कृतिक, कलात्मक पृष्ठ-भूमि अत्यधिक समृद्ध है । इस संदर्भ में यह समस्त पर्वतीय अंचल का अगुआ है । यह स्टेशन यहां की कलात्मक सांस्कृतिक पृष्ठ भूमि को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम बनेगा । अत: इस क्रम में स्थानीय जनता का रोष स्वाभाविक है । माननीय प्रसारण मंत्री को इस स्टेशन के द्रुत निर्माण हेतु विभाग को आदेशित करना चाहिये ।

इसी क्रम में मैं माननीय सूचना प्रसारण मंत्री जी का ध्यान इस सम्मानित सदन के माध्यम से उ० प्र० के कुमाऊं मंडल में टेलीविजन सेट्स के दुष्टव्य की ओर आकृष्ट करना चाहता हूं । इन स्थानों की सुविधा के लिए मंसूरी में टेलीविजन प्रसारण केन्द्र खोला गया लेकिन मंसूरी व कुमाऊं के मध्य पर्वतों का अवरोध आ जाने के कारण टेलीविजन का दुष्टव्य धुंधला है । यह त्रुटि तब ही दूर हो सकती है जबकि कुमाऊं मंडल मे टेलीविजन प्रसारण केन्द्र खोला जावेगा । इसके लिए मजखाली (रानीखेत) नामक स्थान सर्वथा उपर्युक्त है । अत: सूचना एवं प्रसारण मंत्री जी से अनुरोध है कि इस संभाग में उपभोक्ताओं के हित साधन हेतु इस पचवर्षीय योजना काल में मजखाली–रानीखेत में टेलीविजन प्रसारण केन्द्र खोलने की कृपा करें ।

(viii) Need for restoration of train services in Jodhpur division.

श्री अशोक गहलोत (जोधपुर) : सभापति महोदय, उत्तर रेलवे के जोधपुर मंडल ने कोयले की कमी के कारण अनेकों महत्वपूर्ण सवारी गाड़ियों को रद्द कर दिया है। इन गाड़ियों की संख्या लगभग 34 तक पहुच गई है। इनमें से 7 गाड़ियां तो ऐसी हैं जिनको रेलवे में हड़ताल के

समय रद्द किया गया था और 16 गाड़ियां ऐसी हैं, जिन्हें इस चालू माह में ही रद्द किया गया है। यहीं नहीं अकेले पाली मारवाड़ सैक्शन पर चलने वाली चार गाड़ियों में से तीन गाड़ियां बन्द हैं।

जब विभिन्न उत्तर रेलवे के सभी मण्डलों पर रेल यातायात सुचारु रूप से चल रहा है तब किन कारणों से जोधपुर मण्डल को मिलने वाला कोयला हर बार कहां चला जाता है जिससे रेल अधिकारियों को यहां की सवारी गाड़ियों को रद्द करने के अलावा और कोई अन्य उपाय नहीं सूझता है? रेलों के रद्द होने से जहां आम यात्रियों को असुविधा उठानी पड़ रही है, वहीं रेल विभाग को भी काफी आर्थिक हानि उठानी पड़ रही है।

जोधपुर संभाग में अधिकांश रेल गाड़ियों के रद्द हो जाने के कारण गाड़ियों की मौजूदा हालत यह है कि प्रत्येक गाड़ी जरूरत से ज्यादा यात्रियों से भरी होती है और प्रत्येक यात्री अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचने के लिए प्रयत्नशील रहता है। इसके लिये यात्रियों को गाड़ियों की छतों पर बैठकर भी यात्रा करने पर मजबूर होना पड़ रहा है। इस प्रकार से यात्रा करने से हर समय दुर्घटना होने का भय यात्रियों में सवार रहता है, लेकिन यात्री अपनी जान को हथेली पर रख कर भी इन दिनों गाड़ी से यात्रा कर रहे हैं जिसका जीता जागता उदाहरण वहां की गाड़ियों पर इन दिनों देखा जा सकता है। पूरे संभाग का रेल यातायात पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है।

एक ओर रेलवे विभाग गर्मियों की छुट्टियों में अतिरिक्त गाड़ियां चलाने की बात कर रहा है और वहीं दूसरी ओर नियमित रूप से चल रही गाड़ियों को ही रद्द किया जा रहा है, जिससे सभी वर्ग के लोगों को गाड़ियों के बारबार रद्द होने से असुविधा का सामना करना पड़ रहा है और उद्योगों को आर्थिक हानि उठानी पड़ रही है। इससे सारा आवागमन का ढांचा ही डगमगा गया है।

मेरा रेल मंत्री जी से निवेदन है कि वे इस ओर अविलम्ब ध्यान दें और जोधपुर मण्डल में रद्द की गई सभी गाड़ियों को पुनः चालू कराने के लिए ठोस उपाय एवं आदेश प्रदान करें जिससे भविष्य में जोधपुर मण्डल को पर्याप्त मात्रा में कोयला प्राप्त होता रहे और गाड़ियां सुचारु रूप से चलती रहें जिससे आम लोगों को हो रही असुविधा का सामना न करना पड़े।

13.18 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS 1981-82—*Contd.*
MINISTRY OF AGRICULTURE AND MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION—*Contd.*

MR. CHAIRMAN: Now Mr. Jai Pal Singh Kashyap.

श्री जयपाल सिंह कश्यप (आंवला): माननीय सभापति जी, कृषि मंत्रालय के इन अनुदानों पर मुझे यह कहना है है कि हमारी कृषि नीति की असफलता का इस समय प्रत्यक्ष प्रमाण है गेहूं और अनाजों की कीमतें, जो पिछले 10, 15 दिन में इस देश में गिरती जा रही हैं और किसानों को सही मूल्य नहीं मिल रहा है। अभी तक सरकारी केन्द्रों पर गेहूं और अनाज खरीदने की कोई व्यवस्था नहीं हुई हैं। खेत-खलिहानों से जो भी गल्ला निकल कर जा रहा है वह बाजार में जा रहा है। मैंने जिला बदायूं के दातागंज आदि क्षेत्रों के बाजारों में, पैठों पर देखा है, वहां गेहूं का मूल्य 105 से 110 रुपये क्विंटल तक है। व्यापारी किसानों का मनमाना शोषण कर रहे हैं। किसान की